University in News on 11 September 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

एमबीए में पांचवां सीट आवंटन जारी

लखनऊ। लखनऊ विवि ने पीजी कोर्स में चल रही प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत मंगलवार को एमबीए का पांचवां सीट आवंटन जारी कर दिया। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट पर लॉगिन आईडी और पासवर्ड से समस्त विवरण देख सकते हैं। प्रवेश समन्वयक डॉ. अनित्य गौरव ने पत्र जारी करते हुए कहा, सीट आवंटन से संतुष्ट अभ्यर्थी 13 सितंबर तक सीट कंफर्मेशन शुल्क जमा कर दें। संकाय अध्यक्ष प्रो. संगीता साहू ने बताया कि एमबीए प्रथम वर्ष की कक्षाएं बुधवार से शुरू हो जाएंगी। ऐसे में विद्यार्थी सुबह दस बजे से अपनी कक्षाओं में रिपोर्ट करेंगे। (संवाद)

14 व 15 सितंबर को होगा पूर्वाभ्यास

लखनऊ। लविवि में 16 सितंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह के संबंध में 14 व 15 सितंबर को पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इसके लिए समारोह में शामिल होने वाले उपाधिधारकों, शोभायात्रा के सदस्यों आदि को विवि परिसर में सुबह 10 बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षकों को बायोमीट्रिक उपस्थिति से छूट रहेगी। दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत विवि के कॉमर्स विभाग में फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग व नेल पेंट प्रतियोगिताएं हुईं। विभागाध्यक्ष प्रो. राममिलन आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

मेधावी परिषद की समिति का गठन

लखनऊ। लखनऊ विवि मेधावी छात्र परिषद के लिए समिति का गठन कर दिया गया है। कुलपति प्रो. आलोक राय के अनुमोदन के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने पत्र जारी किया। समिति में डीन आर्ट्स, डीन अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. आरपी सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. वीके शर्मा व डॉ. शांभवी मिश्रा शामिल हैं। (संवाद)

कुलपति से मिला जापानी प्रतिनिधि मंडल

लखनऊ। आधुनिक खेती की तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए जापानी प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को लखनऊ विवि का दौरा किया। दो सदस्यीय यह दल कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से मिला। उन्होंने बताया कि अत्याधुनिक खेती के तरीकों को बढ़ावा देने विशेष रूप से पॉलिमर शीट का उपयोग करके मिट्टी रहित खेती के उद्देश्य से लविवि का दौरा किया। (संवाद)

पढ़ाई की विधा सिखाने में मूक की अहम भूमिका : कुलपति

लखनऊ। लखनऊ विवि में मूक समिति और कंप्यूटर विज्ञान विभाग की ओर से 'मूक्स : डिजिटल युग के लिए शिक्षा में परिवर्तन' पर कार्यशाला का आयोजन हुआ।

एपी सेन हॉल में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। मुख्य अतिथि आईआईएम लखनऊ के सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के प्रो. डॉ. अरुणभ मुखोपाध्याय ने प्रतिभागियों को शिक्षण और सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की व्यापक समझ प्रदान की। डॉ. पुनीत मिश्रा, डॉ. किरण लता डंगवाल, डॉ. प्रवीश प्रकाश, डॉ. शांभवी मिश्रा, डॉ. भावना, डॉ. ऋषि कांत और डॉ. एसपी कन्नोजिया समेत कई अन्य रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

थ्रीडी बायोप्रिंटिंग बदलाव लाने वाली तकनीक : शिव पूजन

एलयू दीक्षांत

- एलयू में दीक्षांत सप्ताह के तहत विभागों में कार्यक्रम
- व्याख्यान में विशेषज्ञों ने छात्रों के सामने रखे विचार

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में 67वें दीक्षांत समारोह के मद्देनजर दीक्षांत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत मंगलवार को वाणिज्य विभाग, एप्लाइड इकोनॉमिक्स, हिन्दी और रसायन विज्ञान विभाग की ओर से कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रसायन विज्ञान विभाग दीक्षांत में तीसरा चैतन्य व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता बायोटेक पार्क के सलाहकार और बायोटॉक्स सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ के स्वतंत्र निदेशक डॉ. शिव पूजन रहे। डॉ. पूजन ने प्रयोगशाला से जीवन तकः वैज्ञानिक अनुसंधान में 3डी बायोप्रिंटिंग की भूमिका विषय पर बात की। उन्होंने बताया कि थ्रीडी बायोप्रिंटिंग परिवर्तनकारी तकनीक के रूप में उभरी है जिसका विभिन्न वैज्ञानिक विषयों में व्यापक अनुप्रयोग है। उन्होंने बायोमेटेरियल और बायोइंक विकसित करने में रसायन विज्ञान की भूमिका के साथ ऊतक इंजीनियरिंग, दवा खोज और सामग्री विज्ञान जैसे क्षेत्रों में थ्रीडी बायोप्रिंटिंग के विविध अनुप्रयोगों पर भी चर्चा की।

वहीं इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग में व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्व पर भाषण दिया।

नेल आर्ट, फोटोग्राफी प्रतियोगिता हुई

वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन ने बताया कि एनईपी-2020 पर विचार-मंथन सत्र, फोटोग्राफी और नेल आर्ट प्रतियोगिता हुई। साथ ही एंटी रैगिंग पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। कई विभागों के 74 विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। समन्वयक डॉ. प्रतिभा यादव, डॉ. जया त्रिपाठी, डॉ. मोनिका, डॉ. श्रृंजिका रस्तोगी, डॉ. खुशबू रावत और डॉ. अनीता तिवारी रहीं। सफल आयोजन डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. आकृति जायसवाल और डॉ. ऋषिकांत ने किया।

काव्य पाठ प्रतियोगिता

हिन्दी विभाग में काव्य पाठ प्रतियोगिता हुई। विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर रश्मि कुमार ने कहा कि साहित्य समाज का आधार और संस्कृति का आईना है। प्रतियोगिता में 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया।

शिक्षण सिखाने में मूक की अहम भूमिका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मूक समिति और कंप्यूटर विज्ञान विभाग की ओर से 'मूक्सः डिजिटल युग के लिए शिक्षा में परिवर्तन' पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। एपी सेन हॉल में आयोजित कार्यशाला का कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि आईआईएम लखनऊ के सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के प्रोफेसर डॉ. अरुणभ मुखोपाध्याय रहे। उनकी प्रस्तुति ने प्रतिभागियों को शिक्षण और सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की व्यापक समझ प्रदान की।

एलयूः राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर का अनावरण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में स्थापित विधि संकाय एलुमिनाई एसोसिएशन की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होगा। नौ और 10 नवंबर को होने वाली संगोष्ठी का विषय नए आपराधिक कानूनः आवश्यकता, केंद्र बिंदु और भविष्य है। पूर्व छात्र मिलन भी प्रस्तावित है। जिसके पोस्टर का अनावरण मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

एलयू छात्रों ने भारतीय परिधान में दिखाई विविधता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह के तहत सांस्कृतिकी की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और विशिष्ट अतिथि कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद मोहन रहे। छात्रों ने काव्यात्मक प्रदर्शन, गरबा, मैथिल नृत्य, वाद्य संगीत, गायन, काकोरी ट्रेन एक्शन और एंटी रैगिंग विषय पर नाटक किया। विश्वविद्यालय के ब्लैक मोनार्क्स फैशन सोसाइटी ने फैशन शो में भारतीय परिधान में विविधता दिखाई।

जापानी प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय पहुंचा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक खेती के तरीकों और पॉलिमर शीट का इस्तेमाल करके मिट्टी रहित खेती को बढ़ावा देने के लिए जापान के तमागावा विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय से एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। यूपी सरकार की मदद से आधुनिक खेती की तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए जापानी प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय का दौरा किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों और शिक्षकों के साथ चर्चा की।

JAGRAN CITY PAGE III

दीक्षा समारोह से पहले दिखी विद्यार्थियों की विविधता

लविः 10 से 15 सितंबर तक दीक्षा समारोह के **पूर्व सप्ताह** में पहले दिन कई प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

दीक्षा समारोह सप्ताह के तहत आयोजित फैशन शो में कैटवाक करते छात्र-छात्राएं व मालवीय सभागार में आयोजित माक पार्लियामेंट में प्रतिभाग करने वाले उत्कर्ष, अमूल्य और शरद को सम्मानित किया गया • जागरण

खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करतीं छात्राएं • जागरण

जासं • लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय का दीक्षा समारोह 16 सितंबर को है। इससे पहले सप्ताह भर चलने वाले सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की प्रतिभा दिखी। मंगलवार को जहां विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विचार मंथन सत्र को आगे बढ़ाया, तो फोटोग्राफी में हुनर दिखाया। पोस्टर मेकिंग में एंटी रैगिंग का संदेश दिया। वहीं, कलात्मक तरीके से नेल आर्ट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। 15 सितंबर तक छात्र-छात्राएं अपने हुनर को दिखाएंगे।

दीक्षा सप्ताह का शुभारंभ मंगलवार को सांस्कृतिकी से किया। इसमें छात्र-छात्राओं ने कविता के साथ गरबा नृत्य, मैथिल नृत्य, वाद्य संगीत प्रदर्शन, गायन के साथ-साथ काकोरी ट्रेन एक्शन और एंटी रैगिंग पर नाटक प्रस्तुत किए। अफगानिस्तान की मासिह एलहम ने अपने अंदाज में गीत पेश किया। शाम को लखनऊ विश्वविद्यालय के ब्लैक मोनार्क्स फैशन सोसाइटी की ओर से एक फैशन शो भी हुआ। इसमें भारतीय परिधान में विविधता का प्रदर्शन करते हुए छात्र-छात्राओं ने रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने करते हुए छात्र-छात्राओं के विकास को बढ़ावा देने में सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्व बताया। कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद मोहन, सांस्कृतिकी निदेशक आंचल श्रीवास्तव रहीं।

मंगलवार को विश्वविद्यालय में अलग-अलग विभागों में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया। एप्लाइड इकोनामिक्स में आकर्षक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में उनकी रचनात्मकता दिखी। प्रतिभागियों ने मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, वैश्वीकरण, कैशलेस अर्थव्यवस्था, काला धन, लैंगिक समानता, डिजिटल इंडिया और धन प्रबंधन सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किए। पोस्टरों के रंगीन प्रदर्शन ने गंभीर आर्थिक मुद्दों की गहरी समझ प्रदर्शित की। समन्वयक डा. प्रतिभा यादव, डा. जया त्रिपाठी, डा. मोनिका, डा. अनीता तिवारी रहीं। वहीं, हिंदी विभाग में काव्य पाठ प्रतियोगिता में 18 छात्र-छात्राओं ने अपनी स्वरचित कविताओं का सुंदर तरीके से पाठ किया। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि कुमार ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि साहित्य सहित भाव है। साहित्य समाज का आधार और संस्कृति का आईना है। संयोजक डा. रविकांत रहे। उधर, खेलकूद की प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दमखम दिखाया।

थ्री डी पेंटिंग क्रांतिकारी कदम : डा. शिव पूजन

रसायन विज्ञान विभाग में चैतन्य व्याख्यान में विशेषज्ञों ने छात्रों को थ्री डी बायो प्रिंटिंग प्रयोगशाला की उपयोगिता बताई। बायोटेक पार्क के सलाहकार डा. शिव पूजन ने कहा कि जैसे-जैसे तकनीक विकसित होती जा रही है। यह भविष्य के करीब ले जाएगी, जहां कस्टम अंग और उन्नत उपचार सभी की पहुंच में होंगे। उन्होंने बायोमेटेरियल और बायोइंक विकसित करने में रसायन विज्ञान की भूमिका के साथ-साथ ऊतक इंजीनियरिंग, दवा खोज और सामग्री विज्ञान जैसे क्षेत्रों में थ्री डी बायोप्रिंटिंग के प्रयोगों पर चर्चा की। डा. पूजन का डा. अमृता श्रीवास्तव ने स्वागत किया। डा. नीरज मिश्रा से उनका परिचय कराया। कार्यक्रम में संकाय सदस्य, शोधार्थी, विद्यार्थी शामिल हुए।

14 सितंबर को होगा दीक्षा समारोह का रिहर्सल

16 सितंबर को स्थगित रहेंगी कक्षाएं, 14 से 16 तक बायोमीट्रिक उपस्थिति से भी छूट

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को होने वाले 67वें दीक्षा समारोह को लेकर तेजी से तैयारियां चल रही हैं। 14 सितंबर को सुबह 11 बजे कला संकाय परिसर में समारोह का रिहर्सल होगा। इसमें सभी कार्य परिषद, विद्या परिषद, संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष व निदेशक को शामिल होने के लिए कहा गया है।

शैक्षणिक शोभा यात्रा के लिए परिधान 14 व 15 सितंबर को सुबह 10 बजे से कुलानुशासक कार्यालय के कमरा नंबर पांच में दिया जाएगा। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी पत्र के अनुसार 14 सितंबर को रिहर्सल के दौरान संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष व निदेशक आवश्यकतानुसार कक्षाएं संचालित करने का निर्णय अपने स्तर से लेंगे। 16 सितंबर को दीक्षा समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय की सभी कक्षाएं स्थगित रहेंगी। 14 से 16 सितंबर को बायोमीट्रिक उपस्थिति से भी छूट रहेगी। समारोह वाले दिन संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष व निदेशक आदि को सुबह 10 बजे उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

मुख्य अतिथि होंगे पद्म भूषण डा. विजय पांडुरंग भटकर : दीक्षा समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि पद्म भूषण और भारतीय सुपर कंप्यूटर के जनक डा. विजय पांडुरंग भटकर, अति विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय व विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी होंगी।

डिजिटल से शिक्षा में बदलाव

विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विभाग में डिजिटल युग के लिए शिक्षा में परिवर्तन विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. आलोक राय ने विश्वविद्यालय की डिजिटल शिक्षा में बढ़ते कदम की चर्चा करते हुए मूक्स कोर्स पर जोर दिया। बताया कि कैसे लखनऊ विश्वविद्यालय डिजिटल शिक्षा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रयासरत है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

छात्र-छात्राओं ने भारतीय परिधान में विविधता का किया प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का दीक्षांत सप्ताह शुरू हो गया है। जिसमें सांस्कृतिकी लविवि का सांस्कृतिक बोर्ड आकर्षक और प्रभावशाली कार्यक्रमों की श्रृंखला ला रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना नृत्य से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि, कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय और विशिष्ट अतिथि, डीन कला संकाय प्रो.अरविंद मोहन ने की। दोनों ने समग्र छात्र विकास को बढ़ावा देने में सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक प्रदर्शनों में काव्यात्मक प्रदर्शन, गरबा नृत्य, मैथिल नृत्य, वाद्य संगीत प्रदर्शन, गायन के साथ-साथ काकोरी ट्रेन एक्शन और एनरींरैगिंग को श्रद्धांजलि देने वाला नाटक शामिल था जो विचारोत्तेजक था। अफगानिस्तान की मासिह एल्हम के एक गीत, सहित अन्य का बड़े पैमाने पर स्वागत किया गया। शाम को लविवि के ब्लैक मोनार्क्स फैशन सोसाइटी द्वारा एक शानदार फैशन शो भी आयोजित किया गया। जिसमें भारतीय परिधान में विविधता का प्रदर्शन करते हुए छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। सांस्कृतिकी निदेशक आंचल श्रीवास्तव और पूरी टीम मौजूद रही।

आधुनिक युग में बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे दीक्षांत समारोह पूर्व सप्ताह के अंतर्गत राजनीति विज्ञान विभाग ने मंगलवार को बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष प्रो.सुधीर मेहरोत्रा द्वारा व्याख्यान आयोजित किया। व्याख्यान का विषय आधुनिक युग में बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्व था। अपने भाषण में प्रो.मेहरोत्रा ने आईपीआर की अवधारणा और इसके विभिन्न प्रकारों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि किसी राष्ट्र के लिए आईपीआर इतना महत्वपूर्ण क्यों है और भारत सहित राष्ट्रों द्वारा इसे कैसे संरक्षित और बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक विकसित करने के लिए अनुसंधान एवं विकास में वृद्धि और अधिक पूंजी की आवश्यकता है और इन नई तकनीकों का पेटेंट कराया जा रहा है, जिससे देशों के लिए संसाधन पैदा हो रहे हैं। इस प्रकार, एक स्वस्थ आईपीआर व्यवस्था राष्ट्र की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए फायदेमंद है।

डिजिटल युग के लिए शिक्षा में परिवर्तन पर कार्यशाला

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सहयोग से एपीसेन सभागार में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मुक्स) डिजिटल युग के लिए शिक्षा में परिवर्तन शीर्षक पर कार्यशाला का आयोजन किया। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में प्रो.राय ने मुक्स विकसित करने की विश्वविद्यालय की पहल को रेखांकित किया और डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होने के अपने दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ में सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के प्रो.अरुणभ मुखोपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया। उनकी प्रस्तुति ने प्रतिभागियों को शिक्षण और सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की व्यापक समझ प्रदान की। कार्यशाला का समन्वयन कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ.पुनीत मिश्रा ने किया। डॉ.किरण लता डंगवाल, संयोजक और समिति की अध्यक्ष थीं। आयोजन समिति में डॉ.प्रवेश प्रकाश,डॉ.शांभवी मिश्रा, डॉ.भावना, डॉ.ऋ षि कांत और डॉ.एसपी कन्नोजिया शामिल थे। लविवि के विभिन्न संकायों के डीन, निदेशक,अध्यक्ष और समन्वयक थे। कार्यक्रम का समापन डॉ.प्रवेश प्रकाश के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। ऑनलाइन शिक्षा के विशेषज्ञों के नेतृत्व में इंटरैक्टिव सत्र, व्यावहारिक प्रदर्शन और चर्चाओं की विशेषता वाली कार्यशाला में प्रतिभागियों को मुक्स के डिजाइन, विकास और वितरण की प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन किया गया। इसने सामग्री निर्माण में सर्वोत्तम प्रथाओं और शिक्षार्थियों को जोड़ने की रणनीतियों पर जोर दिया, साथ ही संकाय सदस्यों को चुनौतियों पर चर्चा करने और डिजिटल उपकरणों को अपनी शिक्षण पद्धतियों में एकीकृत करने के अपने अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। यह कार्यशाला गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को व्यापक दर्शकों तक सुलभ बनाने के लिए डिजिटल उपकरणों का लाभ उठाने के लविवि के मिशन को पूर्ण करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने किया लविवि का दौरा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। जापान के तमागावा विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय से मुख्य रूप से एक प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और अत्याधुनिक खेती के तरीकों को बढ़ावा देने विशेष रूप से पॉलिमर शीट का उपयोग करके मिट्टी रहित खेती के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा किया। यह अभिनव खेती तकनीक पौधों के पनपने के लिए रोगमुक्त वातावरण बनाने के लिए डिज़ाइन की गई है, साथ ही यह पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ भी है। प्रतिनिधिमंडल का दौरा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कृषि पद्धतियों को आधुनिक बनाने और पूरे राज्य में उत्पादकता बढ़ाने के लिए की गई कई पहलों के साथ संरेखित है। मिट्टी रहित खेती के तरीकों को अपनाकर, किसान कीटनाशकों और उर्वरकों पर निर्भरता को काफी हद तक कम कर सकते हैं, जिससे स्वस्थ उत्पादन और पर्यावरण पर कम असर पड़ेगा। जापान में विकसित और परिष्कृत मिट्टी रहित खेती तकनीक, विशेष रूप से डिज़ाइन की गई पॉलिमर शीट का उपयोग करती है जो मिट्टी की आवश्यकता के बिना पौधों की वृद्धि का समर्थन करती है, जिससे कई मिट्टी जनित रोग समाप्त हो जाते हैं। यह विधि विशेष रूप से उच्च मूल्य वाली फसलों और शहरी खेती के लिए फायदेमंद है,जो पारंपरिक खेती प्रणालियों के सामने आने वाली चुनौतियों का एक स्थायी समाधान प्रदान करती है। इस यात्रा के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों और शिक्षकों के साथ चर्चा की, जिसमें भारत में इस उन्नत कृषि तकनीक को लागू करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने जापान और भारत के बीच अनुसंधान सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के अवसरों की खोज की। उक्त यात्रा का एक मुख्य आकर्षण छात्रों को कृषि-उद्यमी बनने के लिए सशक्त बनाने, कृषि में नवाचार को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में भारत के युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान करने की क्षमता थी। उन्होंने शोध और विस्तार गतिविधियों में इच्छुक छात्रों को प्रशिक्षित करने पर भी चर्चा की। यह पहल टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारतीय और जापानी दोनों सरकारों का मुख्य फोकस है।

AMRIT VICHAR PAGE 6

प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने को लेकर जानकारी की साझा

अमृत विचार, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में मूक समिति और कंप्यूटर विज्ञान विभाग की ओर से 'मूक्स : डिजिटल युग के लिए शिक्षा में परिवर्तन' पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। एपी सेन हॉल में आयोजित कार्यशाला का कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि आईआईएम लखनऊ के सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के प्रोफेसर डॉ. अरुणभ मुखोपाध्याय रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को शिक्षण और सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने को लेकर जानकारी साझा की। ऑनलाइन शिक्षा के विशेषज्ञों के नेतृत्व में इंटरैक्टिव सत्र, व्यावहारिक प्रदर्शन और चर्चाओं की विशेषता वाली इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को मूक्स के डिजाइन, विकास और वितरण की प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन किया गया। इस मौके पर डॉ. पुनीत मिश्रा, डॉ. किरण लता डंगवाल, डॉ. प्रवीश प्रकाश, डॉ. शांभवी मिश्रा, डॉ. भावना, डॉ. ऋषि कांत और डॉ. एसपी कन्नोजिया समेत कई अन्य रहे।

फैशन शो और नृत्य प्रतियोगिता में बिखेरा जलवा

फैशन शो में हिस्सा लेते प्रतिभागी। अमृत विचार

नृत्य प्रस्तुत करतीं प्रतिभागी छात्राएं। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय का दीक्षांत सप्ताह मंगलवार से शुरू हो गया है। 'सांस्कृतिकी' लखनऊ विश्वविद्यालय का सांस्कृतिक बोर्ड आकर्षक और प्रभावशाली कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रस्तुत कर रहा है। पहले दिन मंगलवार को कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बतौर मुख्य अतिथि की। कार्यक्रम का शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना नृत्य से हुई। सांस्कृतिक प्रदर्शनों में काव्यात्मक प्रदर्शन, गरबा नृत्य, मैथिल नृत्य, वाद्य संगीत प्रदर्शन, गायन के साथ-साथ काकोरी ट्रेन एक्शन और नाटक आकर्षक रहा। शाम को लखनऊ विश्वविद्यालय के ब्लैक मोनार्क्स फैशन सोसाइटी की ओर से एक शानदार फैशन शो भी आयोजित किया गया। जिसमें भारतीय परिधान में विविधता का प्रदर्शन करते हुए छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर डीन कला संकाय प्रो. अरविंद मोहन सहित सांस्कृतिकी निदेशक आंचल श्रीवास्तव और पूरी टीम मौजूद रही।

पोस्टर-मेकिंग में दिखाई प्रतिभा : लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत सप्ताह के तहत एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग ने एक आकर्षक पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता के साथ उत्सव की शुरुआत की, जिसने कला के माध्यम से आर्थिक सिद्धांतों को जीवंत किया। आर्थिक अवधारणाओं के विषय पर केंद्रित इस प्रतियोगिता में सोलह गतिशील समूह शामिल हुए, जिनमें से प्रत्येक में दो रचनात्मक दिमाग थे। जिन्होंने जटिल आर्थिक विचारों को आकर्षक पोस्टरों में प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, वैश्वीकरण, कैशलेस अर्थव्यवस्था, काला धन, लैंगिक समानता, डिजिटल इंडिया और धन प्रबंधन सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया और उन्हें विचारोत्तेजक और नवीन तरीकों से प्रस्तुत किया। पोस्टरों के रंगीन प्रदर्शन ने न केवल इन गंभीर आर्थिक मुद्दों की गहरी समझ प्रदर्शित की, बल्कि प्रतिभागियों की शैक्षणिक कठोरता के साथ कलात्मक अभिव्यक्ति को मिश्रित करने की क्षमता भी प्रदर्शित की।

स्वरचित कविताओं का पाठ किया

हिंदी विभाग की ओर से काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया और उन्होंने अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया। प्रतियोगिता में चार प्रतिभागियों ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए। हिंदी विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर रश्मि कुमार ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि साहित्य सहित भाव है। साहित्य समाज का आधार और संस्कृति का आईना है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ रविकांत ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर विभाग के सभी अध्यापक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

छात्र कुर्ता पायजामा और छात्राएं साड़ी में लेंगी पदक

लविवि दीक्षांत समारोह

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के 16 सितंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह में मेडल के प्राप्त करने वाले मेधावियों के साथ ही शामिल होने वाले अतिथि किस परिधान में होंगे ये तय कर दिया गया है।

मंच पर शामिल होने वाली विभूतियों में कुलाधिपति क्रीम सिल्क कपड़े पर गोल्डेन महरून जरदोजी, मुख्य अतिथि डल ऑरेंज सिल्क कपड़े पर गोल्डेन जरदोजी, मानद उपाधि पाने वाले नेवी ब्लू सिल्क कपड़े पर गोल्डेन एवं महरून जरदोजी एवं कुलसचिव हरे कपड़े पर गोल्डेन जरदोजी परिधान धारण करेंगे। इसके साथ ही छात्रों को महरून कुर्ता, चूड़ीदार क्रीम कलर पायजामा, काला जूता, क्रीम कलर सॉटन कपड़े पर बाहरी बार्डर पट्टी गोल्डन कलर की एवं भीतरी बार्डर पट्टी महरून रंग की पहनेंगे। छात्राओं को महरून साड़ी गोल्डन बार्डर के साथ या महरून कुर्ता चुन्नी-हिजाब क्रीम चूड़ीदार के साथ पहनना होगा। पुरुष शिक्षक बंद गले का काला कोट पैंट एवं काले जूते, महिला शिक्षिका क्रीम साड़ी गोल्डन बार्डर के साथ पहनेगी। परिधान 14 और 15 सितंबर को कला संकाय, कुलानुशासक के कक्ष संख्या-5 से प्राप्त किये जा सकते हैं।

छात्रों ने कबड्डी और खो-खो में दिखाया दमखम

बौद्धिक संपदा का महत्व बढ़ा : प्रो. सुधीर मेहरोत्रा

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होने पर कुलपति ने डाला प्रकाश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मॉक समिति ने कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सहयोग से एपी सेन हॉल में मॉक्सः डिजिटल युग के लिए शिक्षा में परिवर्तन शीर्षक पर कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में प्रो. राय ने मॉक्स विकसित करने की विश्वविद्यालय की पहल को रेखांकित किया और डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होने के अपने दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ (आईआईएम लखनऊ) में सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के प्रो. अरुणभ मुखोपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया। उनकी प्रस्तुति ने प्रतिभागियों को शिक्षण और सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की व्यापक समझ दी। कार्यशाला का समन्वयन कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. पुनीत मिश्रा ने किया, जबकि डॉ. किरण लता डंगवाल, संयोजक और समिति की अध्यक्ष थीं। आयोजन समिति में डॉ. प्रवेश प्रकाश, डॉ. शांभवी मिश्रा, डॉ. भावना, डॉ. ऋषि कांत और डॉ. एसपी कन्नौजिया शामिल थे। लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के डीन, निदेशक, अध्यक्ष और समन्वयक थे। कार्यक्रम का समापन डॉ. प्रवेश प्रकाश के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कुलपति ने संगोष्ठी के लिए पोस्टर किया लांच

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में स्थापित विधि संकाय एलुमनाई एसोसिएशन, लखनऊ विश्वविद्यालय के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें प्रथम दिवस को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी नए आपराधिक कानून आवश्यकता, केंद्र बिंदु और भविष्य विषय पर प्रस्तावित है, जिसमें भारत में नए आपराधिक कानूनों के नवीनतम विकास पर चर्चा होगी जो 9 नवंबर को आयोजित किया जाएगा तथा द्वितीय दिवस 10 नवंबर को पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन प्रस्तावित है। इस संगोष्ठी के शुभारंभ के लिए इसका पोस्टर मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के विधि संकाय के विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. बंशी धर सिंह और लखनऊ विश्वविद्यालय के नए परिसर के निदेशक प्रो. राकेश कुमार सिंह की उपस्थिति में जारी किया गया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य नए कानूनों के बारे में जागरूकता पैदा करना और साथ ही साथ भारत में इन कानूनों की आवश्यकता, महत्व और भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करना है।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने किया लविवि का दौरा

- प्रदेश सरकार के सहयोग से आधुनिक खेती की तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए पहुंचे लविवि

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। जापान के तमागावा विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय से मुख्य रूप से एक प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और अत्याधुनिक खेती के तरीकों को बढ़ावा देने विशेष रूप से पॉलिमर शीट का उपयोग करके मिट्टी रहित खेती के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा किया।

यह अभिनव खेती तकनीक पौधों के पनपने के लिए रोग मुक्त वातावरण बनाने के लिए डिजाइन की गयी, साथ ही यह पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ भी है। प्रतिनिधिमंडल का दौरा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कृषि पद्धतियों को आधुनिक बनाने और पूरे राज्य में उत्पादकता बढ़ाने के लिए की गई कई पहलों के साथ संरेखित है। मिट्टी रहित खेती के तरीकों को अपनाकर, किसान कीटनाशकों और उर्वरकों पर निर्भरता को काफी हद तक कम कर सकते हैं, जिससे स्वस्थ उत्पादन और पर्यावरण पर कम असर पड़ेगा।

जापान में विकसित और परिष्कृत मिट्टी रहित खेती तकनीक, विशेष रूप से डिजाइन की गयी पॉलिमर शीट का उपयोग करती है जो मिट्टी की आवश्यकता के बिना पौधों की वृद्धि का समर्थन करती है, जिससे कई मिट्टी जनित रोग समाप्त हो जाते हैं। यह विधि विशेष रूप से उच्च मूल्य वाली फसलों और शहरी खेती के लिए फायदेमंद है, जो पारंपरिक खेती प्रणालियों के सामने आने वाली चुनौतियों का एक स्थायी समाधान देती है। इस यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों और शिक्षकों के साथ चर्चा की, जिसमें भारत में इस उन्नत कृषि तकनीक को लागू करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने जापान और भारत के बीच अनुसंधान सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के अवसरों की खोज की। इस यात्रा का एक मुख्य आकर्षण छात्रों को 'कृषि-उद्यमी' बनने के लिए सशक्त बनाने, कृषि में नवाचार को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में भारत के युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान करने की क्षमता थी। उन्होंने शोध और विस्तार गतिविधियों में इच्छुक छात्रों को प्रशिक्षित करने पर भी चर्चा की। यह पहल टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारतीय और जापानी दोनों सरकारों का मुख्य फोकस है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह यात्रा लखनऊ विश्वविद्यालय के आगामी तीसरे परिसर के मद्देनजर विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिसमें कृषि संकाय की योजना है।

LOKSATYA PAGE 2

एलयू में डिजिटल युग के लिए शिक्षा में परिवर्तन " विषयक हुई कार्यशाला

लखनऊ, लोकसत्य। MOOC समिति ने कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सहयोग से ए.पी. सेन हॉल में MOOCs : डिजिटल युग के लिए शिक्षा में परिवर्तन शीर्षक पर कार्यशाला का आयोजन किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

उद्घाटन

- कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कार्यशाला का उद्घाटन किया

प्री- दीक्षान्त समारोह में दिवसीय खेल उत्सव का शुभारंभ

TOI PAGE 3

Afghani pop, fashion show: LU warms up for convocation in style

Anjanaya Singh | TNN

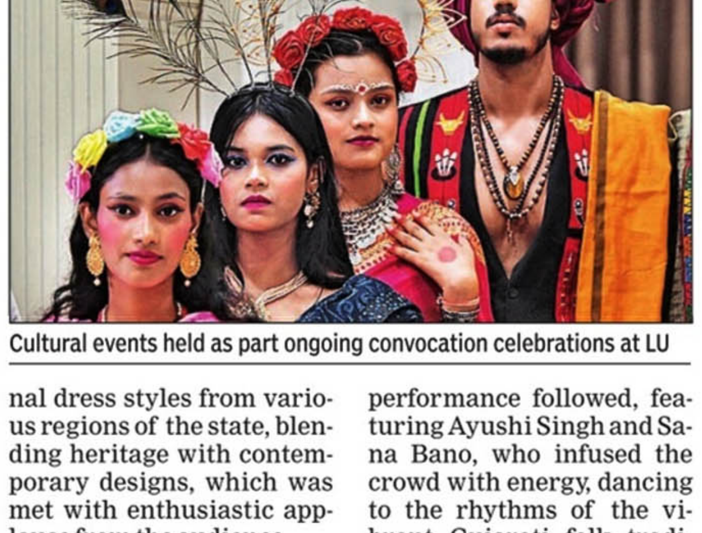

Cultural events held as part ongoing convocation celebrations at LU

Lucknow: Cultural events marked the ongoing convocation celebrations at Lucknow University on Tuesday.

The programme started with a dance performance on '*Saraswati Vandana*' by Nandini Srivastava, a student of political science.

"I have 11 years of experience in Bharatanatyam dance form, and it was a proud moment for me to perform today. It was also my first performance in Lucknow University," she said.

It was followed by a skit on awareness on ragging directed by research scholar Prateek Mishra. Mishra also recited 'Rashmiratri ki Tritya' a stirring poem that resonated deeply with the crowd. Adding a modern twist to the evening, Black Monarchs, LU's Fashion Club, presented a fashion show themed around Uttar Pradesh's aesthetic fashion.

The students showcased outfits inspired by traditional dress styles from various regions of the state, blending heritage with contemporary designs, which was met with enthusiastic applause from the audience.

Another highlight of the event was an Afghani pop song performed by singer Mashih Elham. His piece beautifully illustrated the cultural ties between India and Afghanistan, bringing an international flavour to the celebration. A lively garba performance followed, featuring Ayushi Singh and Sana Bano, who infused the crowd with energy, dancing to the rhythms of the vibrant Gujarati folk tradition.

The cultural events concluded with a guitar performance by Abhinnshyam Tiwari, who played classics like 'Dum Maaro Dum,' 'Ek Hasina Thi,' and 'Neele Neele Ambar,' leaving the audience in awe.

'LU to promote digital learning'

LU in collaboration with department of computer science organized a workshop titled 'MOOCs: Transforming Education for

the Digital Age' on Tuesday. The event was inaugurated by Alok Kumar Rai, VC, LU. Arunabha Mukhopadhyay, professor of IIM Lucknow, delivered an insightful presentation on integration of technology into education.

HT PAGE 4

{ LU CONVOCATION WEEK }

Slew of events mark warm-up to ceremony

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

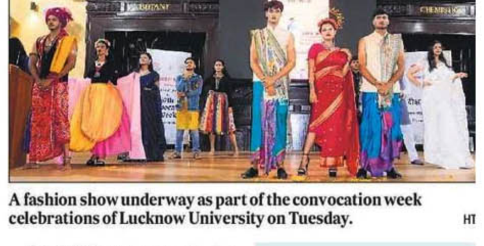

A fashion show underway as part of the convocation week celebrations of Lucknow University on Tuesday. HT

LUCKNOW: The Lucknow University campus remained abuzz with cultural activities as part of the convocation week celebrations on Tuesday.

From nail art and photography competition, poetry recitation, dance, fashion show to lectures and yoga, several activities were organised by various departments, Sanskritiki – the cultural wing of LU, and Lucknow University Athletic Association (LUAA).

The department of education celebrated the first day of the convocation week as Yoga Day. A lecture was delivered by yoga trainer Ram Manohar Lohia Institute of Medical Sciences (RMLIMS) Omnarayan Awasthi.

On the other hand, a session on New Education Policy 2020, photography competition, poster-making competition on the topic 'Anti Ragging' and nail art competition were organised by the commerce department.

A poster-making competition on economic principles was organised by the university's applied economics department. Various topics like – unemployment, globalisation and cashless economy were highlighted through the posters.

A poetry recitation competition was organized by the Hindi Department in which 18 students rendered self-composed poems. A lecture was organised by the department of chemistry.

A lecture 'Importance of Intellectual Property Rights in Modern Era' was organised by the department of political science in which head of biochemistry department Prof Sudheer Mehrotra addressed the students.

Sanskritiki society organised a cultural programme at Malviya auditorium in which students showcased their talents in different ways. It included poetic performances, Garba dance, Maithili dance, instrumental music performance, singing and skits on Kakori Train Action Plan and anti ragging.

The two-day 'Mock Parliament' also culminated in which delegates representing Akbarpur, Devanagore and South Delhi were felicitated with Special Mention, High Recommendation and Best Delegate awards, respectively.

A student from Afghanistan – Masih Elham also rendered songs on the occasion.

The event ended with a fashion show by Black Monarchs fashion society of the University.

Over 200 students from different departments will be participating in various sports competitions organised by Lucknow University Athletics Association (LUAA) as part of the convocation week. Kabaddi and Kho-Kho matches for both men and women were organised on day one.

WORKSHOP ON MOOCs AT LU

LUCKNOW: A workshop 'MOOCs: Transforming Education for the Digital Age' was organised by the Committee to facilitate Online Content/Courses for SWAYAM/MOOC, in collaboration with the department of computer science at AP Sen Hall on Tuesday.

It was inaugurated by LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai, who highlighted the university's initiative to develop MOOCs (massive open online course) and the university's vision to lead in digital learning.

Professor of information technology and systems, Indian Institute of Management Lucknow (IIM Lucknow), Arunabha Mukhopadhyay, informed participants about leveraging technology which can help in enhancing teaching and learning experiences.